Sign in to edit and save changes to this file.

लोकनायक भारत

गेहूं की फसल का खुरपी की सहायता से निराई गुड़ाई करना सबसे अच्छा विकल्प : डॉ मनोज

कानपुर । सीएसए के सहायक निदेशक शोध डॉ मनोज मिश्र ने किसान भाइयों हेतु गेहूं फसल में खरपतवार प्रबंधन विषय पर एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि गेहूं की फसल में मुख्यता बथुआ, हिरनखुरी, मोथा घास, अकरी, जंगली जई, कृष्ण नील आदि खरपतवार हो जाते हैं। डॉ मिश्र ने बताया कि इन की अधिकता से गेहूं की पैदावार में 35 से 40% तक की कमी आ जाती है। यदि समय रहते खरपतवारों का प्रबंधन कर लिया जाए तो नुकसान से बचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि खरपतवार नियंत्रण के लिए खुरपी की सहायता से निराई गुड़ाई करना सबसे अच्छा विकल्प है। क्योंकि इससे मिट्टी की ऊपरी सतह टूटती है और हवा तथा प्रकाश का संचार जड़ों तक होता है जिससे पौधे स्वस्थ रहते हैं। उन्होंने किसानों को सलाह दी है की निराई गुड़ाई 20 से 25 दिनों के अंतराल पर तीन निराइयाँ करनी चाहिए।

News Expert

14h ·

गेहूं की फसल में समय से करें खरपतवार प्रबंधन:- डॉ मनोज मिश्र

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के सहायक निदेशक शोध डॉ मनोज मिश्र ने किसान भाइयों हेतु गेहूं फसल में खरपतवार प्रबंधन विषय पर एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि गेहूं की फसल में मुख्यता बथुआ, हिरनखुरी, मोथा घास, अकरी, जंगली जई, कृष्ण नील आदि खरपतवार हो जाते हैं। डॉ मिश्र ने बताया कि इन की अधिकता से गेहूं की पैदावार में 35 से 40% तक की कमी आ जाती है। यदि समय रहते खरपतवारों का प्रबंधन कर लिया जाए तो नुकसान से बचा जा सकता है।उन्होंने बताया कि खरपतवार नियंत्रण के लिए खुरपी की सहायता से निराई गुड़ाई करना सबसे अच्छा विकल्प है।क्योंकि इससे मिट्टी की ऊपरी सतह टूटती है और हवा तथा प्रकाश का संचार जड़ों तक होता है जिससे पौधे स्वस्थ रहते हैं। उन्होंने किसानों को सलाह दी है की निराई गुड़ाई 20 से 25 दिनों के अंतराल पर तीन निराइयाँ करनी चाहिए।यदि किसान भाई निराई गुड़ाई नहीं कर पाए हैं तो फसल बुवाई के 1 माह बाद खेत में सुल्फोसल्फीरॉन 13 ग्राम मात्रा प्रति एकड़ की दर से पहली सिंचाई के बाद प्रयोग करें उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि खरपतवार नासी का सही मात्रा, सही समय एवं उपयुक्त तकनीक द्वारा छिड़काव करें। जिससे किसानों को गेहूं की फसल से लाभ हो सके।

Sign in to edit and save changes to this file.

उत्तर प्रदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने सपा पर जमकर... 10

सपा की पोटली में गुंडे और माफिया हैं: स्वतंत्रदेव 05

जन एक्सप्रेस

लखनऊ
वर्ष: 13 | अंक: 108
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ | रविवार | 30 जनवरी, 2022

खरपतवार : खुरपी की सहायता से करें निराई गुड़ाई

जन एक्सप्रेस/कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सहायक निदेशक शोध डॉ. मनोज मिश्र ने किसानो के लिए गेहूं फसल में खरपतवार प्रबंधन विषय पर एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि गेहूं की फसल में मुख्यता बथुआ, हिरनखुरी, मोथा घास, अकरी, जंगली जई, कृष्ण नील आदि खरपतवार हो जाते हैं। जिनकी अधिकता से गेहूं की पैदावार में 35 से 40 फीसदी तक की कमी आ जाती है तथा समय रहते खरपतवारों का प्रबंधन कर लेने से नुकसान से बचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि खरपतवार नियंत्रण के लिए खुरपी की सहायता से निराई गुड़ाई करनी चाहिए क्योंकि इससे मिट्टी की ऊपरी सतह टूटती है और हवा तथा प्रकाश का संचार जड़ों तक होता है जिससे पौधे स्वस्थ रहते हैं। उन्होंने किसानों को 20 से 25 दिनों के अंतराल पर तीन निराइयां करने की सलाह देते हुए बताया कि निराई गुड़ाई न कर पाने की स्थिति में किसानों को फसल बुवाई के 1 माह बाद खेत में सुल्फोसल्फीरॉन 13 ग्राम मात्रा प्रति एकड़ की दर से पहली सिंचाई के बाद प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि खरपतवार नासी का सही मात्रा, सही समय एवं उपयुक्त तकनीक द्वारा छिड़काव करना चाहिए।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्षः13 | अंकः08 | देहरादून, शनिवार , 29 जनवरी, 2022 | पृष्ठः08

गेहूं की फसल में समय से करें खरपतवार प्रबंधनः डॉ मिश्र

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुरः चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के सहायक निदेशक शोध डॉ मनोज मिश्र ने किसान भाइयों हेतु गेहूं फसल में खरपतवार प्रबंधन विषय पर एडवाइजरी जारी की है उन्होंने बताया कि गेहूं की फसल में मुख्यता बथुआ, हिरनखुरी, मोथा घास, अकरी, जंगली जई, कृष्ण नील आदि खरपतवार हो जाते हैं डॉ मिश्र ने बताया कि इन की अधिकता से गेहूं की पैदावार में 35 से 40ः तक की कमी आ जाती है यदि समय रहते खरपतवारों का प्रबंधन कर लिया जाए तो नुकसान से बचा जा सकता है उन्होंने बताया कि खरपतवार नियंत्रण के लिए खुरपी की सहायता से निराई गुड़ाई करना सबसे अच्छा विकल्प है ।क्योंकि इससे मिट्टी की ऊपरी सतह टूटती है और हवा तथा प्रकाश का संचार जड़ों तक होता है जिससे पौधे स्वस्थ रहते हैं उन्होंने किसानों को सलाह दी है की निराई गुड़ाई 20 से 25 दिनों के अंतराल पर तीन निराइयाँ करनी चाहिए यदि किसान भाई निराई गुड़ाई नहीं कर पाए हैं तो फसल बुवाई के 1 माह बाद खेत में सुल्फोसल्फीरॉन 13 ग्राम मात्रा प्रति एकड़ की दर से पहली सिंचाई के बाद प्रयोग करें।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर। रविवार • 30 जनवरी • 2022

गेहूं की फसल में समय से करें खरपतवार प्रबंधन

कानपुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के सहायक निदेशक शोध डॉ.मनोज मिश्र ने किसानों के लिए गेहूं फसल में खरपतवार प्रवंधन विषय पर सलाह जारी की है। उनके मुताविक गेहूं की फसल में मुख्यतः वथुआ, हिरनखुरी, मोथा घास, अगरी, जंगली जई, कृष्ण नील आदि खरपतवार उग आते हैं। इनकी अधिकता से गेहूं की पैदावार में 35 से 40 प्रतिशत तक की कमी आ जाती है। यदि समय रहते खरपतवारों का प्रवंधन कर लिया जाय तो नुकसान से वचा जा सकता है।

गेहूं की फसल में किसान समय से करें खरपतवार प्रवंधन।

उन्होंने वताया कि खरपतवार नियंत्रण के लिए खुरपी की सहायता से निराई गुड़ाई करना सवसे अच्छा विकल्प है। इससे मिट्टी की ऊपरी सतह टूटती है और हवा तथा प्रकाश का संचार जड़ों तक होता है, जिससे पौधे स्वस्थ रहते हैं। उन्होंने किसानों को सलाह को 20 से 25 दिनों के अंतराल पर तीन-तीन निराइयां करने की सलाह दी है।

यदि किसान निराई गुड़ाई नहीं कर पाये हैं तो फसल वुवाई के 1 माह वाद खेत में सुल्फोसल्फीरॉन 13 ग्राम मात्रा प्रति एकड़ की दर से पहली सिंचाई के वाद प्रयोग करें। उन्होंने खरपतवारनासी का सही मात्रा, सही समय व उपयुक्त तकनीक द्वारा छिड़काव करने की वात कही है।

Sign in to edit and save changes to this file.

www.facebook.com/worldkhabarexpress www.twitter.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress

WORLD खबर EXPRESS

WORLD
खबर एक्सप्रेस
MID DAY E-PAPER

शनिवार, 29-01-2022 अंक-28
www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

गेहूं को खरपतवार से बचाने के लिए करें निराई

सीएसए के सहायक निदेशक शोध डॉ. मनोज मिश्र ने किसानों के लिए जारी की एडवाइजरी

कनपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के सहायक निदेशक शोध डॉ. मनोज मिश्र ने किसानों के लिए गेहूं फसल में खरपतवार प्रबंधन को लेकर एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि गेहूं की फसल में मुख्यता बथुआ, हिरनखुरी, मोथा घास, अकरी, जंगली जई, कृष्ण नील आदि खरपतवार हो जाते हैं। डॉ. मिश्र ने बताया कि इनकी अधिकता से गेहूं की पैदावार में 35 से 40 प्रतिशत तक की कमी आ जाती है। यदि समय रहते खरपतवारों का प्रबंधन कर लिया जाए तो नुकसान से बचा जा सकता

है। उन्होंने बताया कि खरपतवार नियंत्रण के लिए खुरपी की सहायता से निराई गुड़ाई करना सबसे अच्छा विकल्प है, क्योंकि इससे मिट्टी की ऊपरी सतह टूटती है और हवा तथा प्रकाश का संचार जड़ों तक होता है जिससे पौधे स्वस्थ रहते हैं। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि 20 से 25 दिनों के अंतराल पर तीन निराइयां करनी चाहिए। यदि किसान भाई निराई गुड़ाई नहीं कर पाए हैं तो फसल बुवाई के एक माह बाद खेत में सुल्फोसल्फीरॉन 13 ग्राम मात्रा प्रति

एकड़ की दर से पहली सिंचाई के बाद प्रयोग करें। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि खरपतवार नासी का सही मात्रा, सही समय एवं उपयुक्त तकनीक द्वारा छिड़काव करें। जिससे किसानों को गेहूं की फसल से लाभ हो सके।